Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
वैदिकेतर दर्शन – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चार्वाक मत के किन्हीं पाँच प्रसिद्ध श्लोकों को लिखकर उनका अनुवाद, भाव व तार्किकता को प्रकट करें।
2. नास्तिक दर्शन और आस्तिक दर्शनों का भेद स्पष्ट करते हुए चार्वाक दर्शन को नास्तिक शिरोमणि की संज्ञा के पक्ष में प्रमाण सहित व्याख्या करें।
3. प्रतीत्यसमुत्पाद क्या है? इसकी विस्तारपूर्वक चर्चा करें।
4. बौद्ध दर्शन के चतुर्थ आर्य सत्य के सम्बन्ध में विस्तृत टिप्पणी करें।
5. स्यादवाद से आप क्या समझते हैं? जैन दर्शन में स्यादवाद का क्या महत्व है?

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. चार्वाक दर्शन के कम से कम 10 अन्य नामों का उल्लेख करें।
7. चार्वाकमतानुसार जगत उत्पत्ति पर प्रकाश डालें।
8. बौद्ध दर्शन के सम्प्रदायों का नाम लिखकर उनका सिद्धान्त संक्षेप में स्पष्ट करें।
9. भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर टिप्पणी करें।
10. महात्मा बुद्ध के द्वारा प्रतिपादित मार्ग को मध्य मार्ग क्यों कहा जाता है?
11. संवर और निर्जरा क्या है? मोक्ष प्राप्ति में इनका क्या महत्व है?
12. जैन दर्शन में अनेकान्तवाद क्या है?

----------X----------